



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

16 पौष 1938 (श0)

(सं0 पटना 06) पटना, शुक्रवार, 6 जनवरी 2017

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

27 अक्टूबर 2016

सं0 22/नि0सि0(सिवान)—11-05/2016/2344—श्री मनी कुमार (आई0 डी0-3830), तत्कालीन अवर प्रमण्डल पदाधिकारी, सारण नहर अवर प्रमण्डल, कुचायकोट सम्प्रति रीडर (बाढ़ प्रबंधन), वाल्मी, पटना के विरुद्ध इनके सारण नहर अवर प्रमण्डल, कुचायकोट के पदस्थापन काल में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदन वर्ष 2010-11 (राज्य का वित्त) की कंडिका सं0 3.4 में मास्टर रॉल के आधार पर 12,474.00 रुपये के फर्जी भुगतान में पाई गई संबद्धता हेतु इनसे विभागीय पत्रांक 407 दिनांक 08.03.16 द्वारा स्पष्टीकरण की माँग की गई।

उक्त के आलोक में श्री कुमार द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण पत्रांक 07 दिनांक 29.08.16 में अंकित किया गया है कि पी0 डब्लू0 डी0 कोड की कंडिका 227 क्रमांक 'घ' में प्रावधानित है कि जब भुगतान पदाधिकारी अनुमण्डल पदाधिकारी के नीचे की पंक्ति का हो, तो प्राप्तकर्ता से पावती ले ली जाय। यदि भुगतान की रकम पाँच सौ रुपया से अधिक हो तो भारतीय स्टाम्प अधिनियम के अनुसार प्राप्तकर्ता की रसीद पर स्टाम्प लगा होना चाहिए। श्री कुमार द्वारा प्रश्नगत मामले में दैनिक मजदूरों को कनीय अभियंता द्वारा मजदूरी का भुगतान किये जाने का उल्लेख किया गया है। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया है कि श्री सूर्य नारायण झा, कनीय अभियंता जिनके द्वारा फर्जी भुगतान किया गया था, सेवानिवृत्त हो गये, फलस्वरूप मामले की गंभीरता को देखते हुए कथित अनियमित भुगतान की राशि चालान के माध्यम से सरकारी खाते में जमा कर दी गयी।

श्री कुमार द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण की सम्यक समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी। समीक्षा में पाया गया कि यह सत्य है कि मास्टर रॉल के आधार पर कनीय अभियंता के द्वारा भुगतान किया गया है, जिसे सहायक अभियंता

द्वारा पारित किया गया है। मामले प्रकाश में आने पर सहायक अभियंता के द्वारा फर्जी मास्टर रॉल के आधार पर भुगतान की राशि 11016.00 (ग्यारह हजार सोलह रुपये) चालान के माध्यम से सरकारी खाते में जमा कर दी गयी है। इस प्रकार महालेखाकार द्वारा उठाये गये आपत्ति की कंडिका का अनुपालन हो चुका है। फिर भी भुगतान करने के पूर्व श्री कुमार को आश्वस्त हो लेना चाहिए था कि कनीय अभियंता द्वारा संधारित मास्टर रॉल सही है। लेकिन श्री कुमार द्वारा ऐसा नहीं किया गया।

उक्त पाये गये तथ्यों के आलोक में सक्षम प्राधिकार के द्वारा श्री मनी कुमार, तत्कालीन अवर प्रमण्डल पदाधिकारी, सारण नहर अवर प्रमण्डल, कुचायकोट सम्प्रति रीडर (बाढ़ प्रबंधन), वाल्मी, पटना को “चेतावनी जिसकी प्रविष्टि चरित्र-पुस्त/सेवापुस्त में की जायेगी” निर्गत करने का निर्णय लिया गया है।

सक्षम प्राधिकार के उक्त निर्णय के आलोक में श्री मनी कुमार, तत्कालीन अवर प्रमण्डल पदाधिकारी, सारण नहर अवर प्रमण्डल, कुचायकोट सम्प्रति रीडर (बाढ़ प्रबंधन), वाल्मी, पटना को “चेतावनी जिसकी प्रविष्टि चरित्र-पुस्त/सेवापुस्त में की जायेगी” देते हुए उन्हें संसूचित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

जीउत सिंह,

सरकार के उप-सचिव।

---

**अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।**  
**बिहार गजट (असाधारण) 06-571+10-डी0टी0पी0।**  
**Website: <http://egazette.bih.nic.in>**